ये अव्यक्त इशारे

अब अपनी पुरानी नेचर व संस्कारों का परिवर्तन करो

20-11-2022

समय प्रमाण, सरकमस्टांश प्रमाण, समस्या प्रमाण कई बच्चे पुरुषार्थ द्वारा अपने लक्ष्य और लक्षण को समान भी बनाते हैं, लेकिन यह नेचुरल और नेचर हो जाये, उसमें अभी और अटेन्शन चाहिए। चाहे आकारी फरिश्ता, चाहे निराकारी निरन्तर, नेचुरल नेचर हो जाये – इसका मूल आधार है निरहंकारी बनना। इसके लिए व्यर्थ वृत्ति, व्यर्थ वायब्रेशन स्वाहा कर दो तो नेचुरल योगी और नेचर में फरिश्ता बने ही हुए हो।

Now transform the old nature and old sanskars.

Some children make effort and make their aim and qualifications equal according to the time, circumstances and problems. However, extra attention now needs to be paid to make this natural and part of your nature. Whether you become an avyakt angel or incorporeal, the main basis of making these stages your constantly natural nature is to become egoless. In order to do this, surrender the attitude of waste and wasteful vibrations and you will become a natural yogi who has an angelic nature.